ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

जनसंपर्क कार्यालय

PUBLIC RELATIONS OFFICE

आज़ादी का अमृत महोत्सव

प्रो. आनंद पाटील बने हिंदी विश्वविद्यालय के कुलसचिव

वर्धा, 11 मई 2024: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के कुलसचिव के रूप में प्रो. आनंद पाटील ने कार्यभार ग्रहण कर लिया है। उन्होंने शुक्रवार, 10 मई को कुलसचिव के पद का पदभार संभाला। प्रो. पाटील

विश्वविद्यालय के दूर शिक्षा निदेशालय में निदेशक के रूप में कार्यरत हैं। उन्हें कुलसचिव पद का अतिरिक्त दायित्व सौंपा गया है। कार्यभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के प्रशासनिक एवं अकादमिक कार्यों को गति प्रदान करना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उनकी नियुक्ति पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कृष्ण कुमार सिंह सहित अध्यापक, अधिकारी एवं कर्मियों ने उन्हें बधाई दी है। नांदेड जिले के माचनुर ग्राम में जन्मे प्रो. पाटील ने स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, नांदेड से हिंदी, इतिहास एवं अर्थशास्त्र में बी.ए. तथा हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय से हिंदी में एम.ए., एम.फिल. (स्वर्ण पदक) और पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त की है। साहित्यालोचन, नाट्यालोचन, प्रयोजनमूलक हिंदी, अनुवाद अध्ययन, तुलनात्मक अध्ययन, पारिस्थितिकीय अध्ययन, मीडिया एवं पत्रकारिता तथा सिनेमा अध्ययन जैसे विषय उनके शोध व शैक्षिक रुचि के क्षेत्र हैं। वे उस्मानिया विश्वविद्यालय, तमिलनाडु केंद्रीय विवि में सहायक प्राध्यापक, तथा सहायक निदेशक (राजभाषा), प्रशासनिक एवं संपदा अधिकारी रहे हैं। पत्रकारिता एवं जनसंपर्क में उनका लंबा अनुभव रहा है। वे ईटीवी में पटकथा लेखक एवं कार्यक्रम सहायक तथा मीडिया मर्चंट, हैदराबाद में सहयोगी जनसंपर्क अधिकारी रहे हैं। दैनिक स्वतंत्र वार्ता एवं दैनिक हिंदी मिलाप, हैदराबाद में उन्होंने अनुवादक एवं उप संपादक के रूप में कार्य किया है। उन्होंने तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय में अपने कार्यकाल के दौरान हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु 'हिंदी क्लब' की स्थापना की और स्थानीय विद्यालयों को जोड़ कर शिक्षा में हिंदी को बढ़ावा दिया है। उन्होंने तमिलनाडु केंद्रीय विवि में हिंदी विभाग की स्थापना करने में योगदान दिया और हिंदी विभाग के संस्थापक अध्यक्ष रहे हैं। उनके अनेक ग्रंथ प्रकाशित हैं, जिसमें 'संस्कृति बनाम अपसंस्कृतीकरण, हिंदी : विविध आयाम, विश्व के बीस अमर उपान्यास आदि शामिल हैं। 'मौन संविधान : भयानक परिणाम पुस्तक के वे सह-लेखक हैं। उनके आलेख एवं रचनाएँ अनेक पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित होते रहते हैं। वे स्वदेश पत्र में प्रति रविवार प्रकाशित होने वाले 'वज्रपात' स्तम्भ के लेखक के रूप में प्रसिद्ध हैं। वे मराठी, हिंदी और अंग्रेजी के साथ-साथ तमिल और तेलुगु भाषा के ज्ञाता हैं।

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत

ई-मेल/E-mail: mgahvpro@gmail.com, वेबसाइट/Website: www.hindivishwa.org

दूरभाष :+91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

हिंदी विश्वविद्यालयाच्या कुलसचिवपदी प्रो. आनंद पाटील

वर्धा, 11 मे 2024: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाचे कुलसचिव म्हणून प्रो. आनंद पाटील यांनी शुक्रवार, 10 मे रोजी पदभार सांभाळला. प्रो. पाटील हे विश्वविद्यालयातील दूर शिक्षण निदेशालयाचे निदेशक आहेत, त्यांना कुलसचिव पदाचे अतिरिक्त दायित्व देण्यात आले आहे. विश्वविद्यालयातील प्रशासकीय व अकादमिक कामांना गती देण्याला प्राधान्य देण्यात येईल अशी प्रतिक्रिया त्यांनी कार्यभार ग्रहण केल्यानंतर व्यक्त केली. त्यांच्या नियुक्तीनिमित्त कुलगुरु प्रो. कृष्ण कुमार सिंह यांच्या सह अध्यापक, अधिकारी व कर्मचारी यांनी त्यांना शुभेच्छा दिल्या. नांदेड जिल्ह्यातील माचनुर येथे जन्मलेले प्रो. पाटील यांनी स्वामी रामानंद तीर्थ विद्यापीठ, नांदेड येथून हिंदी, इतिहास व अर्थशास्त्रात बी.ए. तर हैदराबाद केंद्रीय विद्यापीठातून हिंदीतून एम.ए., एम.फिल. (स्वर्ण पदक) व पीएच.डी. प्राप्त केली आहे. साहित्यालोचन, नाट्यालोचन, प्रयोजनमूलक हिंदी, अनुवाद अध्ययन, तुलनात्मक अध्ययन, पारिस्थितिकीय अध्ययन, मीडिया व पत्रकारिता तर सिनेमा अध्ययन या सारखे विषय त्यांच्या शोध व शैक्षणिक आवडीचे क्षेत्र आहेत. ते उस्मानिया विद्यापीठ, हैदराबाद, तमिलनाडु केंद्रीय विद्यापीठात सहायक प्राध्यापक व सहायक निदेशक (राजभाषा), प्रशासनिक व संपदा अधिकारी राहिले आहेत. पत्रकारिता व जनसंपर्क क्षेत्रातही त्यांचा दांडगा अनुभव असून ते ईटीव्हीत पटकथा लेखक व कार्यक्रम सहायक तर मीडिया मर्चंट, हैदराबाद येथे सहयोगी जनसंपर्क अधिकारी राहिले आहेत. दैनिक स्वतंत्र वार्ता व दैनिक हिंदी मिलाप, हैदराबाद येथे त्यांनी अनुवादक व उप संपादक म्हणून काम केले आहे. तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालयात त्यांनी 'हिंदी क्लब'ची स्थापना करुन स्थानिक विद्यालयांमध्ये हिंदीचा प्रचार-प्रसार केला. त्यांनी तमिलनाडु केंद्रीय विद्यापीठात हिंदी विभागाची स्थापना केली व हिंदी विभागाचे संस्थापक अध्यक्ष म्हणून काम केले. त्यांचे 'संस्कृति बनाम अपसंस्कृतिकरण, हिंदी : विविध आयाम, विश्व के बीस अमर उपान्यास हे ग्रंथ प्रकाशित असून 'मौन संविधान : भयानक परिणाम पुस्तकाचे ते सह-लेखक आहेत. त्यांचे लेख व रचना अनेक वृत्तपत्र आणि मासिकांमधून प्रकाशित होत असतात. स्वदेश दैनिकात दर रविवारी प्रकाशित होणारा 'वज्रपात' हा त्यांचा चर्चित स्तंभ म्हणून प्रसिद्ध आहे. त्यांना मराठी व हिंदी सह तमिल आणि तेलुगु भाषाही अवगत आहेत.